Ince Gazette of India

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाष II—एउड 3—उप-एउड (iii) PART II—Section 3—Sub-section (fff)



प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 58]

नई दिल्ली, शनिवार, ग्रापैल 6. 1996/चैत्र 17, 1918

No. 581

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 6, 1996/CHAITRA 17, 1918

भारत निर्वाचन ग्रायोग

श्रिधिसूचना े

नई दिल्ली, 4 श्रप्रैल, 1996

श्रा. श्र. 74(श्र). — यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वा-चनों का संचालन (दितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59 क में उपबंधित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रभितास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतवान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयक्त मतपेदियों में से सभी मतपन्नों को निकालकर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेत् शामकीय राजपन्न में श्रिधसूचना हारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्दिष्ट करेगा ;

और यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, बिनिर्देश्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्र- बार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी ;

3. और यत:, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का साय-धानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि श्रान्ध्र प्रदेश राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हिन में तथा निर्वाचकों के बचाव और सरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के श्रभित्रास और उत्पोडन को रोकने की दृष्टि से श्रान्ध्र प्रदेश राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र की, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मनों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए :

4. अतः, अब, निर्वाचन श्रायोग एतदशारा श्रान्ध्र प्रदेश राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथा-संशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजमार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96-न्या-II (1)] श्रादेश से,

्स. के. मैंदीरत्ता, प्रधान समिष

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

- O.N. 74(E).—Whoreas rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;
- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Andhra Pradesh and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Andhra Pradesh may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Andhra Pradesh as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules. 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II (1)] By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secv.

श्रधिसूचना

नई विल्ली, 4 भ्रप्रैल, 1996

श्रा.श. 75 (श्र).— यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रीभतास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के जजाय उकत निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्न में श्रीधस्चना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्दिष्ट करेगा :

और यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिश्ट निर्वाचन-क्षेष्ठ के मतप्त्रों की गणना मतदान केन्द्र- वार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी ;

3. और पत:, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का साव-धानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि श्ररुणाचल श्रदेश राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और मुख्या के लिए भी एवम् उस राज्य में निविचिक के श्रीभवास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से श्रमणाचल प्रदेश राज्य में प्रत्येक संसदीय निविचन-क्षेत्र को, प्रगति उन्मुख, लोक सभा के असाधारण निविचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रश्रीन विनिर्दिष्ट किया जाए;

4. ग्राः, ग्रायः, तिर्वाचन प्रायोग एतदद्वारा श्रमणाचल प्रदेश राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपवन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या. II (2)] ग्रादेश से,

एस. के, मैंदीरत्ता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 75(E).—Whereas, rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59-A of the Conduct of Election Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Arunachal Pradesh and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Arunachal Pradesh may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Arunachal Pradesh as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State

[No. 470/96/Jud.-II(2)]

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसूचना

नई विल्ली, 4 अप्रैल, 1996

भा अ. 76(श्र) — यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबन्धित है कि निर्वाचन श्रायोग को

जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रभितास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना कपने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियौं में से सभी मतपत्रों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त धावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपन्न में श्रिधसूचना द्वारा ऐंगे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्दिष्ट करेगा;

और यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्र- वार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निष्चय किया है कि आसाम राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाय और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के श्रिमित्रास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से आसाम राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचनके के स्राप्ति को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के स्रधीन विनिदिष्ट किया जाए;
- 4. श्रतः, श्रबः, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा आसाम राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिद्धिट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ सागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या/-1I(3)]
प्रादेश से,
एस. के. मैदीरला, प्रधान सिध

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 76(E).—Whereas rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is assoittely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Assam and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of

Assam may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;

4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Assam as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud.II(3)],
By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 श्रप्रैल, 1996

या. प्र. 77(अ).— यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यया-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबन्धित हैं कि निर्वाचन प्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचकों के प्रभित्नास और उत्पाड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त ग्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्न में ग्रिधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन क्षेत्र को विनिद्धिट करेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उनत नियम 59क के श्रधीन ऐसे जिनिहेंगन होने पर, विनिद्धिट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी:

- 3. और यतः, निर्वाचन श्रायांग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि बिहार राज्य में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और मुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के श्रिभितास और उत्पीड़न को रोकने की वृष्टि से बिहार, राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगति-उन्मुख लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए;
- ग्रें अतः, श्रव, निर्धाचन ध्रायोग एतद्द्वारा बिहार राज्य में उक्त संसदीय निर्धाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में बिनर्दिण्ट करता है जिनमें, यथा-संशोधित निर्धाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्माचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या.-II(4)] श्रादेश से, एस.के. मैदीरसा, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 77(E).—Whereas, rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken our of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Bihar and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Bihar may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifics each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Bihar as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud.-II(4)]

By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secv.

ृंअधिसूचना नई दिल्ली, 4 यत्रील, 1996

श्रा.श्र.78(श्र).—यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संभालन (दितीय संशोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संभालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबन्धित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रभित्रास और उत्पीड़न की श्राणंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों से सभी मतपत्रों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त आवश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्र में श्रिधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्दिष्ट करेगा;

और यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के ग्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिण्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपन्नों की गणना मतदान केन्द्र- बार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

3. और यत:, निर्वाचन ध्रायोग ने इस मामले का साबधानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि गौआ राज्य में वर्तमान स्थिति परिप्रेक्ष्य

में और स्वतन्त्व और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के अभिद्धास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से गोआ राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के अधीन विनिर्विष्ट किया जाए;

4. श्रतः, श्रवः, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा गोआ राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथामंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागु होंगे।

> [सं. 470/96/न्या-II(5)] ग्रादेश से,

एस. के. मैदीरता, प्रधान समिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 78(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary 'nat ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Goa and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Goa may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies cach of the said Parliamentary Constituencies in the State of Goa as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purpess of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud.-II(5)]

By Order, S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसुचना

नई बिरुली, 4 धप्रैल, 1996

न्ना. ख. 79(म्र).--यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबन्धित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्राभितास और उत्पीज़न की ग्राशंका है और उसका यह मन है कि मनदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मनपेटियों में से सभी मनपत्रों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त प्रावण्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्र में ग्राधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र की विनिध्ट करेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के अधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपद्भों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यत:, निर्वाचन म्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक म्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि गुजरात राज्य में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के म्रभिन्नास और उत्पीड़न को राकने की दृष्टि से गुजरात राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन केन्न को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के म्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए;
- 4. ग्रतः, ग्रबं, निर्वाचन आयोग एतद्दारा गुजरात राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनर्दिष्ट करता है जिनमें, यथा-संशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या.-II(6)] भ्रादेश से,

एस.के. मैदीरत्ता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 79(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission approhends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Qujarat

and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing mimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Gujarat may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;

4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Gujarat as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State

[No. 470/96/Jud-II(6)]

By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 प्रप्रैल, 1996

श्रा.श्र. 80(श्र).—यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 1993 हारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबन्धित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचनों के श्रभितास और उत्पीड़न की श्राणका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेदियों में से नवचिन-क्षेत्र में मतपत्रों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्र में श्रिधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्विण्ट करेगा;

और यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्र- वार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि हरियाणा राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाय और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के श्रिभित्रास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से हरियाणा राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को, प्रगति -उत्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्विष्ट किया जाए;
- यतः, श्रवः, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा हरियाणा राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिदिष्ट करता है जिनमें,

ययासंगोधित निर्वाचनों का भंचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागु होंगे।

[सं. 470/96/न्या--II(7)]

श्रादेश से.

एस. के. मैदीरत्ता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 80(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intumidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that bullot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereus, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Haryana and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Harvana may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of

Haryana as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-Il(7)]

By Order, S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

श्रधिसूचना

नई दिल्लॉ, 4 श्रप्रैल, 1996

श्रा.श्र. 81(श्र).—यतः, 15 फरवरी, 1993 सं निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 1993 हारा यथा-संशोधिन, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबन्धित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के अभिन्नास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपन्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपन्न में श्रिधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विमर्थिट करेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिण्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपन्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यत:, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामते का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है ओर यह निण्चय किया है कि हिमाचल प्रदेश राज्य में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और मुरक्षा के लिए भी एवम उस राज्य में निर्वाचक के श्रश्तास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के ग्रधीन विनिद्धिट किया जाए;
- 4. श्रतः, अब, निर्वाचन अयोग एतद्द्वारा हिमाचल प्रदेश राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथा-संशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होगे।

[सं. 470/96/न्या.-II(8)]

श्रादेश से,

एस.के. मैंबीरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

- O.N. 81(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot poxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;
- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Himachal Pradesh and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Himachal Pradesh may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Himachal Pradesh as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(8)]

By Order.

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1996

आ.अ. 82(अ) — यत:, 15 फरवरी, 1993 में निर्धाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संशों-धित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्राभितास ग्रौर उत्शोड़न की ग्राशंका है ग्रौर उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्रों को निकाल कर गणना में पहले मिलाया जाना नितान्त ग्रावययक है तो वह इम हेतु णासकीय राजपत्र में ग्राधि-सचना हारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्विट करेगा;

श्रीर यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, \$961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिश्ट निर्वाचन-क्षेष्ठ के मतपत्रों की गणना मतदान केन्द्र- बार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. श्रीर यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मुगमें का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि जम्मू और कश्मीर राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में ग्रीर स्वतन्त्र श्रीर निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव श्रीर सुरक्षा के लिए भी एवम उस राज्य में निर्वाचक के अभितास और उत्पोड़न को रोकने की दृष्टि से जम्मू श्रीर कश्मीर राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को, प्रगति-उन्मूख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिद्ध किया जाए;
- 4. अतः, अब, निर्वाचन आयोग एतदृष्टारा जम्मू श्रीर कश्मीर राज्य में उकत संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करना है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकमभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या-II(9)] स्रादेश से.

एस. के. मैवीरत्ता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 82(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;

- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Jammu & Kashmir and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Jammu & Kashmir may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Jammu & Kashmir as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-J1(9)]

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसूचना

नई दिस्ली, 4 श्रप्रैल, 1996

घा. ग्र. 83(ग्र).—-यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालत (दितीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संगोधिन, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपक्षिति है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रभितास श्रीर उत्पीड़न की आशंका है श्रीर उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में में सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना में पहले मिलाया जाना निजान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजभव में श्रिधमुचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिदिष्ट करेगा;

श्रीर यतः, निर्वाचनों का संचालत नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्याचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. ग्रीर यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है ग्रीर यह निश्चय किया है कि कर्नाटक राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेध्य में ग्रीर स्वतन्त्र ग्रीर निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाय ग्रीर सुरक्षा के लिए भी एउम उस राज्य में निर्वाचक के श्रभितास ग्रीर उत्शिष्टन को रोकने की दृष्टि से कर्नाटक राज्य में प्रत्येक संसर्वाय निर्वाचन-केन्न को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उनत नियम 59क के श्रधीन विनिद्धिट किया जाए;
- 4. अतः, श्रव, निर्भाचन श्रायोग एतवहारा कर्नाटक राज्य में उक्त संनदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्भाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिधित्य करता है जिनमें, यथा-संशोधित नियचिनों का संचालन नियम, 1961 के नियम

59क के उपबन्ध उक्त राज्य में शोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मेलों की गणना के प्रयोजनार्थ शागु होंगे।

> [मं. 470/96/न्या-**II**(10)] श्रादेण सं, एस के. मैदीरता, प्रधान रुचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 83(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Karnataka and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Karnataka may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Karnataka as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(10)1

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 भ्राप्रैल, 1996

ग्रा.ग्र. 84 (ग्र):—यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59-क में उपबधित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्राभित्रास और उत्पाइन की ग्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्रों को निकाल कर गणना उसे पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्र में श्रिधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिविष्ट करेगा;

और पत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त विपम 59क के अधीन ऐसे विनिर्देशद होने पर, विनि-

दिप्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मलपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्वाचन स्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि केरल राज्य में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचनों के बचाव और मुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के स्रभित्रास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से केरल राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन केत्र तो, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिदिष्ट किया जाए;
- 4. भूत:, अब, निर्माचन आयोग एतद्द्वारा केरल राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिध्ष्ट करता है जिनमें, यथा-संशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लाग् होंगे।

[सं. 470/96/न्याः-II (11)] श्रादेश से,

एस.के. मैंदीरत्ता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 84(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Kerala and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Kerala may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Kerala as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(11)]:

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

प्रधियुक्ता

नई दिल्ली**, 4 श्रप्रैल**, 1996

या. घ. 85 (प्र): — यतः, 15 फरवरी, 1993 सें निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-तंशोधित, जिर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रिभितास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मन है कि मनदान-केन्द्रवार मनगणना करने के बजाय उबत निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मनपत्नों को निकाल कर गणना में पहले मिलाया जाना नितानन आवश्यक है तो वह इस हतु शासकीय राजपत्न में श्रिधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्विट करेगा:

और यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के अधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र के मतपन्नों की गणना मतदान केन्द्र-वार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्वाचन स्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक प्रध्ययन किया है और यह निज्य किया है कि मध्य प्रदेश राज्य में वर्तमान स्थित के परिप्रंध्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाय और सुरक्षा के लिए भी एयम् उस राज्य में निर्वाचक के स्राभितास और उत्पीड़न को शेकने की दृष्टि से मध्य प्रदेश राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन के, प्रगति-उत्सुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उवन नियस 59क के स्रधीन विनर्विष्ट किया जाए:
- 4. ग्रतः, श्रवः, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा मध्य प्रदेश राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्विष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 170/96/न्या.-H (12)] धादेण से, एस.के. मैंदीरना, प्रधान मनिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 85(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Madhya Pradesh and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Madhya Pradesh may be specified under the said rule 59-A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Madhya Pradesh as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(12)];
By Order,
S. K. MI-NDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिमुचना

नई दिल्ली, 4 श्रप्रैल, 1996

था. थ्र. ८३ (ग्र):—-यतः, 15 फरवरी, 1993 में निर्वाचनों का मंचालन (द्वितीय संणोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संणोधित, निर्वाचनों का संचालन नियमों 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन गण्योग को जहां किसी भी निर्वाचन-केन्द्र में निर्वाचकों के अभिवास और उत्पीड़न की ग्राणंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-केन्द्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्रों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त ग्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्र में अधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-केन्द्र को विनिर्दिष्ट करेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के अधीन ऐसे विनिर्देणन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्याचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्वाचन ग्रायोग ने इस मामले का मावशानीपूर्वक ग्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि महाराष्ट्र राज्य में वर्तमान स्थिति के पिरप्रिक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और मुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के श्रीभन्नास और उत्पीड़न को रोकते की दृष्टि से महाराष्ट्र राज्य में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचनक्षेत्र को, प्रगति -उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनक्षेत्र को, प्रगति -उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनक्षेत्र को, प्रगति गणना के प्रयोजनार्य, उक्त नियम 59क के ग्रधीन विनिदिष्ट किया जाए;
- 4. श्रतः, श्रबः, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा महाराष्ट्र राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को

901 GI/96-2

ऐसे निर्वाचन-क्षेद्वों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपवन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधा-रण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लाग् होंगे।

> [मं. 470/96/न्या-**II** (13)] श्रादेश से,

एस. के. मैदीरना, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 86(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Maharashtra and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Maharashtra may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Maharashtra as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(13)]

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, ४ ग्रप्रैल, 1996

श्रा. श्र. 87 (श्र) .——यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रीभन्नास और उत्पीइन की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मसदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचनक्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मसपन्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त ग्रावश्यक है तो घह इस हेसु शासकीय राजपन्न में ग्राधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन क्षेत्र को विनिर्विष्ट करेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के उक्त नियम 59क के ब्रधीन ऐसे विनिर्देणन होने पर विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय मिश्चित करके की जाएगी;

- 3. और यतः निर्वाचन स्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक स्रध्ययन किया है और यह निष्चय किया है कि मिणपुर राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के स्रभिवास और उत्पीइन को रोकने की दृष्टि से मिणपुर राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को प्रगति उन्मुख लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के स्रधीन विनिद्ध्य किया जाए;
- 4. श्रत: श्रब, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा मणिपुर राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों के रूप में विनिद्धिट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के माधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या-II (14)] ग्रादेश में,

एस. के. मैंदीरता, प्रधान मचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 87(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Manipur and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Manipur may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Manipur as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(14)]

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसूचना

नर्ट दिल्ली, 4 श्रप्रैल, 1996

ग्रा. प्र. (88 (म्र). — यतः, 15 फरवरी, 1993 में तिर्वाचनीं का संचालन (हितीय संशोधन) नियम 1993 हारा यथा-संशोधित, निर्वाचनीं का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचकों के अभिवास और उत्पीदन की ग्रायंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्रों को निकाल कर गणना ने पहले मिलाया जाना नितान्त प्रावक्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपक्ष में ग्रिधसूचना हारा ऐसे दिवाचन क्षेत्र को विनिर्विष्ट करेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विकिश्यन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान विक्रवाण गणना करने के बजाय, मिक्ति करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्धाचन प्रायोग ने इस मामले का साव-शानी पूर्वक ग्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि मेघालय राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के ग्रभिक्षास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि में मेघालय राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को, प्रगति उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उसत नियम 59क के प्रधीन विनिर्विष्ट किया जाए;
- 4. श्रतः, श्रव, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा मेघालय राज्य में उन्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता हैं जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वा-चनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागु होंगे।

[सं. 470/96/न्याय-II (15)] श्रावेश से, एस. के. मैदीरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 88(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Meghalaya and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Meghalaya may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Meghalaya as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 47/96/Jud-II(15)]|

By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 श्रप्रैल 1996

ग्रा. ग्र. 89 (ग्र) — यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्रामितास और उत्पीड़न की ग्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मत पेटियों में से सभी मतपन्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त ग्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्न में ग्राधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्दिष्ट करेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतप्रदों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यत:, निर्वाचन आयोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निण्चय किया है कि मिजोरम राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और मुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के अभिन्नास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से मिजोरम राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन केन्न को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के अधीन विनिर्विष्ट किया जाए;
- 4. अतः, श्रव, निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा मिजोरम राज्य में ज्ञा संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों हु हुए विनिधि : करना है जिनमें, यथामंक्षीधित निर्वाचनों का

संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनो में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

> [मं. 470/96 न्याय- $\mathbf{H}(16)$] श्रावेश से, एस. के. मैंदीरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 89(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Mizoram and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Mizoram may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Mizoram as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(16)]

By Order,
S. K.MENDIRATTA, Principal Secy.

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1996

म्रा. प्र. 90 (म्र) — यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन प्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्राभितास और उत्पाड़न की ग्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटिशों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त भ्रावण्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्न में ग्राधमूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्विष्ट हरेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के ब्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनि-दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्र की गणना सतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्वाचन आयोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निण्चय किया है कि नागालैंड राज्य में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के अभितास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से नागालैंड राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचन-अंत्र को, प्रगति-उत्मुख, लोक सभा में साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, के उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए;
- 4. ग्रतः, श्रवः निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा नागालंड राज्य में उन्त स्वाद्धीत निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथा-संशोधित निर्वाचनों का मंचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उन्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्याः-II (17)] श्रादेश से, एस.के. मैदीरना, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 90(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise:
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Nagaland and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Nagaland may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Nagaland as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(17)]
By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

श्रधिस्चना

भई दिल्ली, ४ अप्रेल, 1996

या. य. 91 (य): ——यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (डितीय संशोधन) नियम, 1993 हारा यथा-मंशोधित, निर्वाचनों का मंचालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-लेच भे निर्वाचकों के प्रभिन्नाम और उत्पीड़न की आशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाए। जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हतु आसकीय राजपत्र में श्राधिगूचना हारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिद्धिट करेगा;

- 2. और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियस, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे जिन्दिंशन होने पर, विनिदिंग्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मनदान केन्द्र-बार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;
- 3. और यतः, निर्वाचन आयोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निण्चय किया है कि उड़ीसा राज्य में वर्तमान रिथित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हिन में निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के अभिनाम और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से उड़ीसा राज्य में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र थो, प्रगति-उत्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतो की रुणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए;
- 4. श्रतः, श्रवः, निर्वाचन श्राथोग एतद्द्वारा उड़ीसा राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-श्रेत्रों के रूप में त्रिनिदिष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के निथम 59क के उपजन्ध उक्त राज्य में लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/66/न्या०—II (18)] श्रादेश से, एम.के. मेंदोरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 91(E).—Whereas, rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency:

fication in the Official Gazette, specify such constituency:
2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the

be llot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;

- 3. And whereas, the Flection Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Orissa and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Orissa may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Orissa as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/JuJ-H(18)]

By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 श्रप्रैस 1996

श्रा. श्रा. 92 (ग्र):—-यतः 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का मंचालन (दितीय संशोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा संशोधित निर्वाचनों का संचालन निश्मम, 1961 के नियम 59क में उपबंधित हैं कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किमी भी निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन के अभितास और उत्पीड़न की आगंका है और उसका यह मत है कि मतदान केन्द्रचार मतगणना करने के बजाय उन्न निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुवत मतगेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त आवश्यक है तो वह इस हेनु शासकीय राजपत्र में अधिसूचना बारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को जिनिदिण्ट करेगा;

- 2. और यतः निर्यावनों का संवानन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के प्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर विनिर्दिष्ट निर्याचन क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मनदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय मिश्रित क्षण्के की जाएगी;
- 3. और यतः, निर्वाचन प्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक प्रध्ययन किया है आर यह निरुचय किया है कि पंजाब राज्य ने टांग्या स्थिति के परिप्रोध्य में और स्वतन्य कि कि पंजाब स्थिति के परिप्रोध्य में और स्वतन्य कि कि प्राया कि कि निर्वाच के हिन में तथा निर्वाचकों के बचाब और पुष्या के लिए भी एवस् उस राज्य में निर्वाचक के अभिवास और उत्पीहन को रोजने की दृष्टि से पंजाब राज्य में प्रत्येक संगदीय/निर्वाचन क्षेत्र की, प्रगति उन्मुख, लोक मधा के साधारण निर्याचनों मं, मतों की गणना के अथोजनार्थ, उन्न गियम 59क के प्रधीन विनिधिष्ट किया जाए;

4. यतः, अब, निर्वाचन आयोग एतद्वृहारा पंजाब राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन क्षत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथामंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोक सभा के साधा-रण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागृ होंगे।

> [सं. 470/96/न्या.—]] (19)] श्रादेश में.

> एस. के. मैदीरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 92(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Punjab and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Punjab may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Punjab as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(19)]

By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

प्रधिमूचना

नई दिल्ली, 4 भ्रप्रैल, 1996

ग्रा. श्र. 93 (ग्र):; -यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन प्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्रभितास और उत्पीड़न की ग्राणंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करके के बजाय उवत निर्वाचनकों में प्रयुक्त मत्विदियों में से सभी मतपन्नों को निकाल

कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्राधश्यक है तो वह इस हेतृ शासकीय राजपत्र में श्रिश्चिम्चना उत्तरा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिदिष्ट करेगा;

- 2. और यतः, निर्वाचनों क संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के प्रधीन ऐसे बिनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के सतपत्नों की गणनः मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रिन करके की जाएगी;
- 3. ऑर यत:, निर्वाचन ग्रायोग ने इम मत्मल का साव-धानीपूर्वक ग्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि राजस्थान राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में नथा निर्वाचकों के बचाव और मुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के ग्रभितास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से राजस्थान राज्य में प्रस्थेक संसदीय/निर्वाचन क्षेत्र को, प्रगति-जन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्विष्ट किया जाए:
- 4. और, ग्रत:, अब, निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा राजस्थान राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों। में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्विष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उन्त राज्य में लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, महों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्याय.—II (20)]
श्रादेश से.
एस. के. मैंदीरता प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 93(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereus, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Rajasthan and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Rajasthan may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the

State of Rajasthan as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-11(20)]

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिमुचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1996

थ्रा. घ. 94(ग्र): — यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन आयोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रिभितास और उत्पीइन की श्राणंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मनगणना करने के ब्रजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना में पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावण्यक है तो वह इस हेतु शामकीय राजपत्न में श्रिधसूचना द्वारा ऐसे निविचन-क्षेत्र को विनिदिष्ट करेगा;

- 2. और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उन्न नियम 59क के अधीन एमे विनिर्देणन होने पर, विनिर्दिण्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मनदार केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रिन करके की जाएगी;
- 3. और यत, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का साव-धानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निष्चय किया है कि मिक्कम राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उम राज्य में निर्वाचक के श्राभिद्राम और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि में सिक्कम राज्य में प्रत्येक संसदीय निर्वाचनकोत् को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के ग्रधीन विनिविष्ट किया जाए;
- 4. श्रतः, श्रब, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा सिक्कम राज्य में जक्त संमदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध जक्त राज्य में लोक सभा के साधारण निर्वा-चनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगें।

[सं. 470/96/न्याय;-II (21) श्रादेश से, एस. के. मैंदीरला, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 94(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, mstead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise.

wise;

- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Sikkim and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Sikkim may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parlimentary Constituences in the State of Sikkim as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/Jud-II(21)]

By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिमुचना

नई दिल्ली, 4 ग्रप्रैल, 1996

श्रा.श्र. 95 (श्र):—यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संघालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संघालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्राभितास श्रीर उत्पीइन की ग्रागंका है श्रीर उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रबार मसगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकालकर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावध्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपक्ष में ग्राधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्दिष्ट करेगा;

- 2. ग्रौर यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्र-वार गणना करने के बजाय, मिश्रिन करके की जाएगी ;
- 3. और यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का साय-धानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि तिमलनाष्ट्र राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में धौर स्वतन्त्र श्रौर निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों

के बचाव और गुरक्षा के लिए भी एतम् उस राज्य में निर्वाचक के श्रीभन्नाम और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से लिमलनाडू राज्य में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रमति-उन्मुख, लोक लगा के लागरण निर्वाचनों में, मलों की गणना के लयोजनार्थ, अति नियम 59क के श्रीवीन विनिर्दिष्ट किया जाए ;

4. श्रतः, श्रब, निर्वाचन प्रायोग एतद्द्वारा तिमलनाडू राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में में प्रत्येक की ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथा-संशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

> [सं. 476/96-न्या-II (22)] ग्रादेश से,

एप. के. मैंदीरत्ता<mark>, प्रधान सचिव</mark>

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 95(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Tamil Nadu and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Pauliamentary constituencies in the State of Tamil Nadu may be specified under the said rule 59-A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Tamil Nadu as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that that State.

[No. 470/96/Jud.fI(22)]

By Order, S. K. MENDIRATTA, Principal Secv.

श्रधिमू बना

नई दिल्ली, 4 श्रप्रैल, 1996

न्ना.म. 96 (म्र) :- यतः, 15 फरवरी, 1993 में निर्वाचनों का गंचालन (द्वितीय संग्रोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संग्रोधिन, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59% में उपबंधित है कि निर्वाचन प्रायोग का जहां किया भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के अभिवास और उत्पीड़न की ध्राशंका है और उसका यह मत है कि मनदान-केन्द्रशार मनगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मनगेटियों में से मजी मनप्रयों को निकाल कर गणना से पहने मिलाया जाना नितान ध्रावण्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्र में प्रधिमूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्विष्ट करेगा;

हाँ र यतः, निर्वाधनों का संचालन निराम, 1961 के उक्त नियम 59क के ब्राधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्र-वार गणना करने के वजाय, मिश्चित करके की जाएगी;

3. श्रीर यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस रामले का साय-धानीपूर्वक श्रध्ययन किया है श्रीर यह निश्चय किया है कि विषुरा राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में श्रीर स्वतन्त्र श्रीर निष्पक्ष निर्वाचन के हिन में तथा निर्वाचकों के बचाव श्रीर पुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक मे त्रिपुरा राज्य में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र निर्वाचक के श्रिभित्राम श्रीर उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि को, प्रगति उन्सुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए;

4. श्रतः, श्रबः, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारः विपुरा राज्य में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लाग् होंगे।

> [सं. 470/96/न्या.-II (23)] श्रादेश से, एस. के. मैंदीरत्ना, प्रजान मचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 96(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notificacation in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules. 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Tripura and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Tripura may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Tripura as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(23)] By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1996

श्रा. श्र. 97(श्र).—यतः, 15 फरवरी, 1993 में निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा-संशोधन, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबन्धित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के श्रभिन्नास और उत्पाइन की ग्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-क्षेत्र्वार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मंतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेतु शामकीय राजपत्न में श्रिधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिदिष्ट करेगा;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रश्नीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्रों की गणना मतदान केन्द्र-वार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

3. और यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का माबधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि उत्तर प्रदेश राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाय और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस 901 GI/96—3

राज्य में निर्वाचक के श्रिभितास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से उत्तर प्रदेण राज्य में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-' क्षेत्र को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिद्धिष्ट किया जाए;

4. थतः, श्रव, निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य में उत्तर संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपवन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागृ होंगे।

[सं. 470/96/न्या/-II(24)] श्रादेश से, एस. के. मैंदीरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 97(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notificacation in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of Uttar Pradesh and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the State of Uttar Pradesh may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress:
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of Uttar Pradesh as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as

amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(24)]

By Qrder,

S K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिमुचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1996

ष्ठा. श्र. 98(प्र):—यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का रांचालन (हिनीय मंगोधन) नियम 1993 हारा यथा-गंभोधित, निर्वाचनों का मंचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के अभितास और उत्पीड़न की आणंकः है और उसका यह मत है कि मतवान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मनपेटियों में से सभी मतपन्नों की निकाल कर नेणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावण्यक है तो वह इस हेत् धासकीय राजपन्न में श्रिधमुचना हारा ऐसे निर्वाचन-क्ष्य को विनिर्दिष्ट करेगा;

और यत', निर्धाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त निथम 59क के भ्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मनपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने केबजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्वाचन ग्रायोग ने इस मामले का सासधानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निष्चय किया है कि वेस्ट बंगाल राज्य में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचनों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के ग्राभिवास और उत्पीज़न को रोकने की दिष्ट से वेस्ट बंगाल राज्य में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगति उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के ग्रधीन विनिदिष्ट किया जाए;
- 4. श्रतः, श्रब, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा वेस्टबंगाल राज्य में उनत संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्विष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उन्त राज्य में लोक सभा के साधा-रण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या----II(25)] श्रादेश से, एस. के. मैंदीरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

- O.N. 98(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;
- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the State of West Bengal and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituecies in the State of West Bengal may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the State of West Bengal as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470]96]JUD-II(25)]
By Order.
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1996

श्रा. श्र. 99(ग्र):—यतः, 15 फरक्री, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (ब्रितीय संशोधन) नियम 1993 हारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59रु में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को बहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचनों के श्रभिक्षास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-

क्षेत्र में प्रयुक्त मत पेटियों में से सभी मतपत्नों की निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेसु शासकीय राजपत्र में श्रिधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षत्र को विनिर्विष्ट करेगा;

और, यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के प्रधीन ऐसे विनिर्देणन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्रों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के त्रजाय, मिश्रित बारके की जाएगी;

- 3. और, यत: निर्वाचन अ।योग ने इस मामले का साबधानीपूर्वक प्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि ग्रण्डमान और निकोबार ग्राईलैण्ड संघ राज्य क्षेत्र में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचनों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एयम उस राज्य में निर्वाचन के प्रभिन्नास ऑर उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से प्रण्डमान और निकोबार ग्राईलैण्ड संघ राज्य क्षेत्र में प्रत्येक संसदीय निर्वाचनके को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनमें, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के ग्राभीन विनिधिष्ट किया जाए;
- 4. श्रतः, ग्रब, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा श्रण्डमान और निकोबार श्राईलैण्ड संघ राज्य क्षेत्र में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागु होंगे।

[सं. 470/96/न्याय--11 (26)]
ग्रादेश से,
एस. के. मैदीरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 99(E)—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

2. And, whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;

- 3. And, whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the Union Territory of Andaman & Nicobar Islands and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the Union Territory of Andaman & Nicobar Islands may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progres;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the Union Territory of Andaman & Nicobar Islands as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(26)] By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 ग्रप्रैल, 1996

प्रा. म. 100 (भ्र):--पतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन प्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के अभिन्नास और उत्पीदन की भ्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उसत निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपन्नों को निकाल कर गणना मे पहले मिलाया जाना नितान्त भ्रामण्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपन्न में भ्राधसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिधिष्ट करेगा;

और, यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिश्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्रचार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

3. और यत:, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का साव-धानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि चण्डीगढ़ संघ राज्य-क्षेत्र में वर्तमान स्थिति में परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य राज्य में निर्वाचक के ग्रभिवास और उत्पीड़न को रोकने की बृष्टि से चण्डीगढ़ संघ-राज्य क्षेत्र में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के ब्रधीन विनिदिष्ट किया जाए;

4. अतः, श्रव, निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा चण्डीगह्र संघ राज्य क्षेत्र में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिद्धिट करता है जिनमें, यथासंशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनां में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगें।

> [सं[!] 470/96/न्याय——II (27)] भ्रादेण सें,

एस. के. मैदीरता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 100(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Election Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out or all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

2. And, whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;

- 3. And, whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the Union Territory of Chandigarh and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the Union Territory Chandigarh may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the Union Territory of Chadigarh as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply

for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(27)] S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 प्राप्रैल, 1996

ग्रा.ग्र. 101 (श्र):— यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59-क में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-केंद्र में निर्वाचकों के ग्राभितास और उत्पीड़न की ग्राग्नंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केंद्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-केंद्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त ग्रायश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्न में ग्राधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-केंद्र को विनिर्विष्ट करेगा;

और, यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के घ्रधीन ऐसे विनिर्वेणन होने पर, विनिर्वे दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रिय करके की जाएगी;

- 3. और, यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि दादर और नागर हवेली संघ राज्य-क्षेत्र में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचनों के बचाव और युरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के श्रभित्रास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से दावरा और नागर हवेली संघ राज्य-क्षेत्र में प्रत्येक हैं संदीय/निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्विष्ट किया जाए;
- 4. श्रतः, श्रब, निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा दादरा और नागर हवेली संघ राज्य-क्षेत्र में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक की ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्विष्ट करता है जिनमें, यथा-संबोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागु होंगे।

[सं. 470/96/न्या०—II (28)] झादेश से, एस.के. मैंदीरला, प्रधान सभिम

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 101(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Election Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And, whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And, whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the Union Territory of Dadra & Nagar Haveli and in the interest of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the Union Territory of Dadra & Nagar Haveli may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the Union Territory of Dadra & Nagar Haveli as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(28)] S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

मधिसूचना

नई दिल्ली' 4 घप्रैल, 1996

ग्रा. प्र. 102 (ग्र): — यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्राभित्रास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान केन्द्रवार मतंगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचित-क्षेत्र में

प्रमुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना उसे पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्न में श्रधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्दिष्ट करेगा;

और, यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के प्रश्नीन ऐसे विनिर्देणन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मनदान केन्द्र- बार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और, यत:, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि दमन और
 दीप संघ राज्य-क्षेत्र में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और
 स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के
 बचाव और गुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के
 श्रिभित्रास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से दमन और द्वीप
 संघ राज्य-क्षेत्र में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगतिउन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना
 के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के श्रधीन विनिर्दिष्ट किया
 जाए;
- 4. अतः, अब, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा दमन औप द्वीव संघ राज्य-क्षेत्र में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता हैं जिनमें, यथासंशोधित-निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या.-II (29)] श्रादेश से,

एस.के. मैंदीरत्ता प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

- O.N. 102(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Election Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes need in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;
- 2. And, whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;

- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the Union Territory of Daman & Diu and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the Union Territory of Daman & Diu may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the Union Territory of Daman & Diu as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(29)]

By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिमुचना

नई दिल्ली, 4 अर्जैल, 1996

ग्रा. ग्र. 103 (श्र):—यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59-क में उपबंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्रभिन्नास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रायश्यक है तो वह इस हेतु गासकीय राजपत्न में श्रधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को बिनिर्विष्ट करेगा;

- 2. और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के अधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनि-दिष्ट निर्वाचन-श्रेत के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;
- 3. और यत:, निर्वाचन ग्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक ग्रध्ययन किया है और यह निष्चय किया है कि विस्ली संघ राज्य क्षेत्र में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हिल में तथा निर्वाचनों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के धिमत्रास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से दिल्ली संघ राज्य-क्षेत्र में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र को,

प्रगति उन्मुख, लोक सभा में साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59क के प्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए:

4. श्रतः, श्रव, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा दिस्सी संघ राज्य-क्षेत्र में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से श्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिण्ट करता है जिनमे, यथा-संशोधित निर्याचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के श्रयोजनार्थ लागू होंगे।

[सं. 470/96/न्या०-II (30)] श्रादेश से, एस.के. मैंदीरत्ता, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

- O.N. 103 (E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;
- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the Union Territory of Delhi and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the Union Territory of Delhi may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4 Now therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the Union Territory of Delhi as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply

for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(30)] By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 श्रप्रैल, 1996

ग्रा. ग्र. 104(ग्र): ——यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम, 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबंधित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्राभित्राय और उत्पीड़न की ग्राणंका है और उसका यह मत है कि मतदान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपन्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त आवश्यक है तो वह इस हेतु गासकीय राजपन्न में ग्राधिमूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिद्धिय करेगा;

और यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के श्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, बिनिर्देशन निर्वाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्र-वार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और मुख्या के लिए भी एवम् उस राज्य में निर्वाचक के श्रभिक्षास और उत्पोड़न को रोकने की दृष्टि से लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगतिउन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उन्स नियम 59क के श्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए,
- 4. श्रतः, श्रव, निर्वाचन श्रायोग एतद्दारा लक्षद्वी । संघ राज्य-क्षेत्र में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है जिनमें, यथा संघोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लागु होंगे।

[मं. 470/96/न्या०—II (31)] श्रावेण से.

एस.के. मैंदीरला, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 104(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules,

1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and vietimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the Union Territory of Lakshadweep and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the Union Territory of Lakshadweep may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the Union Territory of Lakshadweep as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(31)]
By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

ग्रधिस्चना

नई दिल्ली, 4 श्रप्रैल, 1996

ग्रा.श्र. 105(ग्र).—यतः, 15 फरवरी, 1993 से निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा-संगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपबन्धित है कि निर्वाचन श्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचकों के ग्रभित्रास और उत्पीड़न की श्राशंका है और उसका यह मत है कि मतवान-केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन-क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्रों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त श्रावश्यक है तो वह इस हेतु शासकीय राजपत्र में श्रधिस्चना द्वारा ऐसे निर्वाचन-क्षेत्र को विनिर्ध्ट करेगा;

और यत:, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के अधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्देशन निवाचन-क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतदान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी;

- 3. और यत:, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का सावधानीपूर्वक श्रध्ययन किया है और यह निरचय किया है कि पाण्डेचेरी संघ राज्य-क्षेत्र में वर्तमान स्थित के परिप्रेक्ष्य में और स्वतन्त्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम उस राज्य में निर्वाचक के श्रिभक्षास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से पाण्डेचेरी संघ राज्य-क्षेत्र में प्रत्येक संसदीय/निर्वाचन-क्षेत्र को, प्रगति-उन्मुख, लोक सभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्ष नियम 59क के श्रधीन विनिर्दिष्ट किया जाए:
- 4. मतः, ग्रब, निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा पाण्डेचेरी संघ राज्य-क्षेत्र में उक्त संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों में से प्रत्येक को ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों के रूप में बिर्नादिष्ट करना है जिनमें, यथा-संगोधित निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59क के उपबन्ध उक्त राज्य में लोकसभा के साधारण निर्वाचनों में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ लाग् होंगे।

[मं. 470/96/न्याः-]] (32)] ग्रादेश से, एस.के. भैंदीश्ला, प्रधान सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1996

O.N. 105(E).—Whereas, rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission appre-

hends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;

- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in the Union Territory of Pondicherry and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of elector in that State, each of the Parliamentary constituencies in the Union Territory of Pondicherry may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies each of the said Parliamentary Constituencies in the Union Territory of Pondicherry as the constituencies to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the general election to the House of the People in that State.

[No. 470|96|JUD-II(32)]
By Order.
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.